2.4.18 पत्रावली पेश हुयी। वादी व प्रतिवादी सं.1 उपस्थित। राजीनामा पर उभयपक्ष को सुना गया। उभयपक्ष के द्वारा आपस में राजीनामा हो जाना एवं अब कोई ~~~~ विवाद शेष नहीं रहना कथन किया। वादी ने वाद पत्र को इसी स्तर पर खारिज किये जाने का निवेदन किया। प्रतिवादी ने अपनी सहमति जाहिर की। अतः वादी की प्रार्थना पत्र यह दावा इसी स्तर पर खारिज किया जाता है। पत्रावली कैशल कुमार होकर हाजिर दफ्तर हो।

उपखण्डाधिकारी
धौलपुर (राज.)

Scanned by CamScanner